

B.A. Programme 1st Semester Examinations, 2018

DSC1-SANSKRIT

SANSKRIT DRAMA AND GENERAL GRAMMAR

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

Unit-I

Answer any *one* question from the following:

 $12 \times 1 = 12$

- Explain the dramatic significance of 'दुर्वाससः शापः' from the drama अभिज्ञानशकुन्तलम्।
- (b) Justify the comment- 'उपमा कालिदासस्य'।

 $6 \times 1 = 6$

- ान्य शब्दान्
 ा यत् सुखितोऽपि जन्तुः।
 ासा स्मरति नूनमबोधपूर्व
 भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि॥
 (b) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं
 माधयितुं य इच्छति।
 मनोलोत्पलपत्रधारया
 - शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति॥
- 3. Translate into English or Bengali any one of the following:

 $6 \times 1 = 6$

- (a) न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन् मृदुनि मृगशरीरे तूलराशाविवाग्निः। क्व वत हरिणकाणां जीवितं चातिलोलं क्व च निशितनिपाता वजसाराः शरास्ते॥
- (b) नीवाराः शुकगर्भकोटरमुखभ्रष्टास्तरुणामधः प्रिस्निग्धाः क्वचिदिङ्गदीफलभिदः सूच्यन्त एवोपलाः। विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगा-स्तीयाधारपथाश्च वल्कलशिखानिस्यन्दरेखाङ्किताः॥

अथवा

UG/CBCS/B.A./Programme/1st Sem./Sanskrit/SANDSC1/2018

- (a) गाहन्तां महिषा निपानसिललं शृङ्गेर्मुहस्ताडितं छायाबद्धकदम्बकं मृगकुलं रोमन्थमभ्यस्यतु । विश्रब्धं क्रियतां वराहतितिभिर्मुस्ताक्षतिः पल्वले विश्रामं लभतामिदं च शिथिलज्याबन्धमस्मद्धनुः॥
- (b) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं मिलनमपि हिमांशोर्लक्ष्म् लक्ष्मीं तनोति। इयमधिकमनोज्ञा बल्कलेनापि तन्वी किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥
- 4. Answer any *two* questions from the following:

 $2 \times 3 = 6$

- (a) 'आश्रममृगोऽयं न हन्तव्यो न हन्तव्यः' who is the speaker? When and to whom is it said?
- (b) 'किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्' who said this? When did the speaker say this?
- (c) What is 'नान्दी' ? Which type of 'नान्दी' is there in the drama 'अभिज्ञानशकुन्तलम्'?
- (d) Who was 'कुलपतिः' ? Why was he so called?

Unit-II

5. Explain the following सूत्र's (any one)

 $12 \times 1 = 12$

- (a) कर्तुरीप्सिततमं कर्म, ध्रुवमपायेऽपादानम्, येनाङ्गविकारः।
- (b) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, सहयुक्तेऽत्रधाने, षष्ठी शेषे।
- 6. Account for the case-endings any three of the following underlined words:

 $1 \times 3 = 3$

- (a) पिता पुत्रेण विद्यालयं गच्छति।
- (b) रामेण <u>बाणेन</u> हतो वाली।
- (c) शिशुः शय्याम् अधिशेते।
- (d) व्याघ्रः <u>व</u>ने वसति।
- (e) क्रोशं गिरिः स्थितः।
- 7. Expound and name the समास any three: अधिहरि, पञ्चगवम्, नीलोत्पलम्, कुपुरुषः, मातापितरौ।

 $1 \times 3 = 3$

 $1 \times 6 = 6$

 $1 \times 6 = 6$

- 8. Give the resulting forms of the following (any six): $= \frac{1}{4} = \frac{1$
- 9. Join and disjoin the Sandhi any six of the following: प्रित + ईक्षा, हिम + ऋतुः, एक + एकम्, अनु + एषणम्, मात्रादेशः, नयनम्, प्रेजते, दैर्त्यारिः, लाकृतिः।

2



B.A. Honours 1st Semester Examinations, 2018

GE1-SANSKRIT

BASIC SANSKRIT GRAMMAR, HISTORY OF SANSKRIT LITERATURE, DRAMA

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

Unit-I

| | Answer any three questions from the following | $6 \times 3 = 18$ | 3 |
|--------|--|-------------------|---|
| 1. (a) | Join and disjoin the samdhi any six of the following: | 6 | 5 |
| | (i) प्रभो + आगच्छ; (ii) अव + एहि; (iii) विद्वान + लिखति; (iv) पितः + रक्ष; | | |
| * | (v) तत् + लाभः; (vi) महद्धितम्; (vii) प्रौढः; (viii) भ्रात्रुपदेशः; (ix) धावंश्छागः। | | |
| (b) | Decline any six of the following: | (| 5 |
| | (i) सखि in द्वितीया-बहुवचनम्। | | |
| | (ii) अस्मद in पश्चमी-एकवचनम्। | | |
| | (iii) युवन् in षष्ठी-द्विवचनम्। | | |
| | (iv) दातृ in द्वितीया-बहुवचनम्। | | |
| | (v) विद्वस् in सप्तमी-बहुवचनम्। | | |
| | (vi) लता in षष्ठी-बहुवचनम्। | | |
| | (vii) मुनि in द्वितीया-द्विवचनम्। | | |
| | (viii) वारि in द्वितीया-द्विवचनम्। | | |
| | (ix) सर्व (पुंलिङ्ग) in द्वितीया-द्विवचनम्। | | |
| (c) | Conjugate any six of the following: | (| 6 |
| | (i) हन् in लङ्ग 3rd Person Plural. | | |
| | (ii) ग्रह् in लौट् 2nd Person Singular. | | |
| - 0 | (iii) आस् in लट् 3rd Person Plural. | | |
| _ \ | (iv) पਰ् in लृट् 3rd Person Singular. | | |
| 10 | (v) शी in लट् 3rd Person Plural. | | |
| | (vi) अस् in लट् 3rd Person Singular. | | |
| | (vii) सेव् in लोट् 2nd Person Plural. | | |
| | (viii) गम् in विधिलिङ्ग Ist Person Singular. | | |
| (d) | Account for the case-endings any three of the following underlined words: | | 6 |
| | (i) <u>सुखेन</u> कालं नयति। | | |
| | (ii) आसनाद आलोकयति जनान। | | |

UG/CBCS/B.A./Hons./1st Sem./Sanskrit/SANGE1/2018

- (iii) पाकाय गृहं याति।
- (iv) अल्पस्य हेतोः बहुर्मा त्यज।
- (v) पश्यति <u>मायि</u> धनं हृतम्।

Unit-II

2. Answer any *one* question from the following:

 $12 \times 1 = 12$

- (a) Write a note on the Dialogue Hymns of the Rgveda.
- (b) Discuss the influence of the Mahābhārata on Indian culture and literature.
- (c) Make an estimate of various theories of origin of Sanskrit drama.
- 3. Write short notes on any *four* of the following: सायणः; आरण्यकम्; निरुक्तम्; गीतगोविन्दम्; बाणभट्टः; राजतरङ्गिणी।

 $3 \times 4 = 12$

Unit-III

4. Answer any *one* question from the following:

 $12 \times 1 = 12$

- (a) Write a clear note on elephant-episode as depicted in the 1st Act of the drama अभिज्ञानशकुन्तलम्।
- (b) 'उपमा कालिदासस्य' Justify the comment according to the drama अभिज्ञानशकुन्तलम्।
- 5. Translate into English or Bengali any one of the following verses:

 $6 \times 1 = 6$

- (a) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतित स्यन्दने दत्तदृष्टिः। पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयात् भूयसा पूर्वकायम्। दर्भेरधांबलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा पश्योदग्रप्लतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्या प्रयाति॥
- (b) अभिमुखे मिय संहृतमोक्षितं हसितमन्यनिमित्तकृतोदयम्। विनयवारितवृत्तिरतस्तया न विवृतो मदनो न च संवृतः॥

अथवा

- (a) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं मिलनमिप हिमांशोर्लक्ष्म् लक्ष्मीं तनोति। इयमधिकमनोज्ञा बल्कलेनापि तन्वी किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥
- (b) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां रनेहेन य पल्लवम्। आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः सेर्यं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वेरनुज्ञायताम्॥



B.A. Honours 1st Semester Examinations, 2018

CC1-SANSKRIT

SANSKRIT GRAMMAR AND COMPOSITION

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

| प्रत्याहा | रस्थाः वर्णाः के भवन्ति ? (त्रयाणाम्) | | \ | $2\times3=6$ |
|-------------------------------|---|--------------------------|----------|------------------|
| ' एच्, च | र्, जश्, शच्, खर। | 20 | | |
| | | 201 | | |
| 2. संज्ञा स | गाधयत (त्रयाणाम्) | 1010 | 4 | $2 \times 3 = 6$ |
| इत्, अ | नुनासिकः, पदम्, संहिता, सवर्णम्। | | | |
| | | 0, | | |
| 3. त्रयाणां | सन्धिविच्छेदं त्रयाणां सन्धिं च साधयत | 13 | | 6 |
| मद्धवरि | :, उपेन्द्रः, विष्णवे, कृष्णौत्कण्ठ्यम्, नायव | ₱: | | |
| सुधी + | - उपास्यः, प्र + ऊढ; शिव + एहि; शव | ह + अन्धुः, विष्णु + इह। | | |
| 2 | | | | |
| 4 | पदसाधनं कुरुत (प्रत्येकशः द्वयोः) | | 6 | ×2 = 12 |
| | | | 0 | 2 12 |
| (i) रामेषु, | रमया, ज्ञानानि। | | | |
| (ii) भवन्ति, | एधन्ते, भवन्तु। | | | |
| 4 | 1, | | | |
| 5. सूत्रं व्य | गाख्यात (त्रयाणाम्) – | | 4 | $\times 3 = 12$ |
| (क) यस्मात्प्र | प्रत्ययविधिस्तदादि प्रत्ययेऽङ्गम्। | | | |
| (ख) न विभ | क्तौ तुरमाः। | | | |
| (ग) अनुदात्त | तिङत आत्मनेपदम्। | | | |
| | | | | |

(घ) सार्वधातुकार्धधातुकयोः।

(ङ) आर्धधातुकस्येड् बलादेः।

UG/CBCS/B.A./Hons./1st Sem./Sanskrit/SANCC1/2018

6. चतुर्णां वाच्यवरिवर्तनं कुरुत।

 $3 \times 4 = 12$

- (क) क्षेत्रे गावः तृणानि खादन्ति।
- (ख) मातरः स्थाल्यां तण्डूलान् पचन्ति।
- (ग) श्रद्धेयाः शिक्षकाः रसयुक्तां कथां वदन्ति।
- (घ) नर्तकाः रङ्गालये नृत्यन्ति।
- (ङ) गुणिनः शास्त्राणि प्रतिपादयन्ति।
- (च) अहं महाविद्यालयं गच्छामि।

7. आङ्गलभाषातः संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत । (एकस्य) —

 $6 \times 1 = 6$

- (a) Her mother left Shakuntalā after her birth. She was deserted in a dense forest. The great sage, Kanva saw her there. Out of affection he took her to his hermitage. There were two other hermit-girls in the same hermitage.
- (b) Swami Vivekananda was a true disciple of his Preceptor Rama-Krishnandeva. He realized that ultimate truth is one. So, there is no difference among us. He carried this message from east to west. He said that God exists within us in various forms. He announced that he alone serves God who loves all. This is the highest lesson of religion.

2



B.A. Honours 1st Semester Examinations, 2018

CC2-SANSKRIT

CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE (POETRY)

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

विभाग-क

1. 'रघुवंशम्' इति महाकाव्यस्य उत्सर्थानं किम् ? महाकाव्यऽस्मिन् कति सर्गाः सन्ति ? 2+2+8 = 12 महाकाव्यस्य अस्य प्रथमसर्गमनुसृत्य रघुवंशीयानां राज्ञां चरित्रं वर्णयत।

अथवा

'सेव्यमानौ सुखस्पर्शैः शालनिर्यासगन्धिभः' – पङ्क्तिरियं कुत्र उपलभ्यते ? 'रघुवंशम्' इति 2+10 = 12 महाकाव्यस्य प्रथमसर्गमनुसृत्य आलोचयत ''कालिदासः प्रकृतेः कविः'' इति ।

संस्कृतभाष्या देवनागरीलिप्यां व्याख्या कार्या।
 मन्दैः कवियशःप्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
 प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्वाहुरिव गमनः॥

6

अथवा

ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्वाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुवन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव॥

(

3. अनुवादः करणीयः (द्वयोः) —

 $3 \times 2 = 6$

- (i) शैशवेऽभ्यस्तविद्यानां यौवने विषयैषिणाम्। वार्द्धक्ये मुनिवृत्तीनां योगेनान्ते तनुज्यताम्॥
- (ii) व्यूढो रस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः। आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाशितः॥
- (iii) परस्पराक्षिसादृश्यमदूरोज्झितवर्त्मसु । मृगद्वन्द्वेषु पश्यन्तौ स्यन्दनावद्धदृष्टिषु ॥

4. संस्कृतभाष्या देवनागरीलिप्यां संक्षिप्तोत्तरं प्रदेयम् – (द्वयोः)

 $3 \times 2 = 6$

- (क) दिलीपस्य अपुत्रकतवे किं कारणम् ? कश्च तस्य प्रतिकारोपायः ?
- (ख) 'रघुवंशम्' इति महाकाव्यस्य प्रख्यातटीकाकाराणाम् नामानि तथा टीकानां नामानि लिखत।

UG/CBCS/B.A./Hons./1st Sem./Sanskrit/SANCC2/2018

(ग) 'स्वाहायेव हविर्मुजम्' — का स्वाहा ? कं किं निमित्तं हविर्मुक् इत्युच्यते ? अत्र 'स्वाहा' 'हविर्मूक्' इति शब्दद्वयेन कौ बोध्येते ?

| 0 | | - | _ | |
|----|----|----|---|----|
| 10 | 11 | 14 | - | 43 |

| 5. | 'स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं' कः उक्तवान् ? किरातार्जुनीयं महाकाव्यं वक्ता यदुक्त | 12 |
|--------|--|------------------|
| | तद् सर्वं सरलसंस्कृतभाष्या देवनागरीलिप्यां प्रतिपादयत। | |
| | अथवा | 12 |
| | 'भारवेर्मा रवेरिव' – सोदाहरणं आलोचयत संस्कृतभाष्या देवनागरीलिप्यां च। | 12 |
| | | 691 - 6 |
| 6. (ক) | संस्कृतभाष्या देवनागरीलिप्यां व्याख्या कार्या – (एकस्य) | 0×1-0 |
| | (i) तथापि जिह्मः स भवज्जिगीष्या |) ` |
| | तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः। | |
| | समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्गमाद् | |
| | वरं विरोधीऽपि समं महात्माभिः॥ | |
| | (ii) वजन्ति ते मूढिधयः पराभवं | |
| | भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः। | |
| | प्रविश्य हि ध्नन्ति शठास्तथाविधान् | |
| | असंवृताङ्गान्निशिता इवेषवः॥ | |
| (ख) |) श्लोकपादपूरणं कुरुत (एकस्य) | $6 \times 1 = 6$ |
| | • | |
| | | |
| | | |
| | नयेन जेतुं जगतीं सूयोधनः॥ | |
| | | |
| | अथवा | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी | |
| - 0 | II | |
| _ \ | | |
| 7. | संक्षिप्तोत्तरं प्रदेयम् (द्वयोः) – | $3 \times 2 = 6$ |
| |) 'न वाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्'– अत्र अस्य पदेन कः उक्तः ? 'त्रिगणः' पदस्य कोऽर्थः ? | |
| (ख | u) 'चारचक्षुषः' इति पदस्य कोऽर्थः ? अत्र समासः कः ? | |
| (ग |) "जटाधरं सन् जुहुिध पवकम्" – कं प्रति कस्य कस्याः वा इयमुक्तिः ? किं च तात्पर्यम् ? | |
| | X | |